भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1558
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

तमिलनाडु में कावेरी डेल्टा क्षेत्र के केंद्रीय विद्यालय

†1558. **कु. सुधा आर.:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को तमिलनाडु के मयिलादुथुराई या कुंभकोणम कस्बों में केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करने की लंबे समय से लंबित मांग की जानकारी है जिसमें घनी आबादी वाले और कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण कावेरी डेल्टा क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण केन्द्रीय शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने इन क्षेत्रों में कोई व्यवहार्यता अध्ययन किया है और भूमि उपलब्धता की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) तमिलनाडु में वर्तमान में कुल कितने केन्द्रीय विद्यालय प्रचालित हैं और नए केन्द्रीय विद्यालयों को स्वीकृति प्रदान करने के लिए जिला-वार किन मानदंडों का पालन किया जाता है; और
(घ) क्या सरकार के पास कावेरी डेल्टा में केन्द्रीय विद्यालयी शिक्षा के विकल्पों को बढ़ाने के लिए किन्हीं वैकल्पिक उपायों पर विचार किया जा रहा है जैसे कि मौजूदा विद्यालयों का उन्नयन करना या पीएम श्री जैसी योजनाओं के अंतर्गत मॉडल स्कूल शुरू करना, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): नए केंद्रीय विद्यालय (केवि) खोलना एक सतत् प्रक्रिया है। केवि पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु मुख्य रूप से केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों सहित रक्षा और अर्ध-सैन्य कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केवि खोलने के प्रस्ताव भारत सरकार के मंत्रालयों या

विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किए जा सकते है जिसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) के मानदंडों के अनुसार एक नया केवि स्थापित करने के लिए निःशुल्क अपेक्षित भूमि और उपयुक्त किराया-मुक्त अस्थायी आवास को उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल होती है। केविसं से प्राप्त जानकारी के अनुसार, तमिलनाडु के मायिलादुथुराई और कुंभकोणम कस्बों में नए केवि खोलने के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। केवि को राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/जिला/संसदीय क्षेत्र/पिछड़े क्षेत्र के मानदंडों पर नहीं खोला जाता है। वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य में 46 केवि कार्यात्मक हैं।

(घ): पीएम श्री योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी घटकों को प्रदर्शित करना है। पीएम श्री योजना के अंतर्गत, स्थापित स्कूलों को उदाहरणपरक स्कूल के रूप में विकसित किया जाता है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन को प्रदर्शित किया जा सके और साथ ही पडोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व प्रदान किया जा सके। वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विजन के अनुसार बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखते हुए और उन्हें अपनी अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाते हुए एक समान, समावेशी और आनंदमय स्कूल वातावरण में उच्च गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने हेतु अपने संबंधित क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करते हैं।

पीएम श्री योजना के अंतर्गत, प्रत्येक ब्लॉक/यूएलबी में अधिकतम दो स्कूल का चयन किया जाता है, और पूरे भारत में स्कूलों की कुल संख्या पर एक ऊपरी सीमा निर्धारित है। केविसं/नविस/एनसीईआरटी के साथ-साथ 33 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से कुल 13,076 पीएम श्री स्कूलों का चयन किया गया है। 13,076 विद्यालयों में से, तमिलनाडु राज्य से कुल 36 केवि को पीएम श्री विद्यालयों के रूप में चुना गया है, जिसमें कावेरी डेल्टा क्षेत्र से 03 केवि नामतः केवि तंजावुर, केवि नंबर 1, त्रिची और केवि नंबर 2, त्रिची शामिल हैं। तमिलनाडु राज्य ने कई अनुरोधों के बावजूद पीएम श्री स्कूलों में स्वयं को शामिल नहीं किया है।

*****